देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 177 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
संवेदनशील
मसला

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024

मौसम अधिकतम 28.0° न्यूनतम 19.0°

79924.77

2 डोनाल्ड ट्रंप अस्थिर है: हैरिस

7 ओवरकास्ट कंडिशन में क्यों चुनी बैटिंग

ट्रूडो की कथनी और करनी में बहुत फर्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच जारी कूटनीतिक तनाव पर विदेश मंत्रालय ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयानों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "हमने प्रधानमंत्री ट्रूडो की 'वन इंडिया पॉलिसी' को लेकर की गई टिप्पणियों को देखा है, लेकिन जिन मुद्दों पर हमने कार्रवाई की मांग की थी, उन पर अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। उनकी कथनी और करनी में बड़ा अंतर है।"

विदेश मंत्रालय ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग को लेकर कनाडा द्वारा की गई आपत्तियों पर भी बयान दिया। जायसवाल ने आगे कहा, "हमने कनाडा को कुछ अनुरोध भेजे थे, जिनमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों की गिरफ्तारी करने को कहा था, लेकिन अब तक हमारी मुख्य चिंताओं पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसमें राजनीतिक उद्देश्य भी छिपे हुए हैं।" ट्रूडो ने दावा किया था कि भारतीय राजनयिक उन कनाडाई लोगों के बारे में जानकारी एकत्र कर रहे थे जो नरेंद्र मोदी सरकार से असहमत हैं और इसे भारत सरकार के उच्च स्तरीय अधिकारियों और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह जैसे आपराधिक संगठनों तक पहुंचा रहे थे। भारत इन बेतुके दावों को पहले ही खारिज कर चुका है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमने कनाडा को 26 प्रत्यर्पण के अनुरोध भेजे और सभी पेंडिंग हैं। ये पिछले एक दशक या उससे अधिक समय से पेंडिंग पड़े हैं। इसके साथ ही कुछ अपराधियों की अनंतिम गिरफ्तारी के कई अनुरोध भी कनाडा की ओर से पेंडिंग हैं। हमने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों सहित अन्य गैंग के सदस्यों के बारे में कनाडाई सरकार के साथ सुरक्षा संबंधी जानकारी शेयर की थी और उनसे उन्हें गिरफ्तार करने का अनुरोध किया था।

हमें यह वास्तव में अजीब लगता है कि जिन लोगों को हम निर्वासित करना चाहते थे या जिन पर कार्रवाई की जानी थी, अब हमें बताया जा रहा है कि, आरसीएमपी कनाडा में इन लोगों द्वारा किए गए अपराधों के लिए भारतीय पक्ष को दोषी ठहरा रही है।

भारत ने कहा- कनाडा के पास भारत के कम से कम 26 प्रत्यर्पण अनुरोध लंबित

भारत के रुख की पुष्टि

विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने जो सुना है, वह नई दिल्ली के इस लगातार रुख की पुष्टि करता है कि कनाडा ने भारत और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया है। जायसवाल ने दोहराया कि अभी तक कनाडा द्वारा कोई सबूत साझा नहीं किया गया है।

जस्टिन ट्रूडो के सबूत न देने के आरोपों पर भी वार

विदेश मंत्रालय ने जस्टिन ट्रूडो के उस कबूलनामे पर भी वार किया है, जिसमें कनाडाई प्रधानमंत्री ने माना था कि भारत के साथ निज्जर मामले में सिर्फ खुफिया जानकारी साझा की गई, न कि कोई ठोस सबूत। रणधीर जयसवाल ने कहा, हमने इस खास मुद्दे पर अपनी स्थिति साफ रखी है। जहां तक आरोपों का सवाल है तो प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कल खुद जो कबूल किया है, उससे उनके आरोपों की कीमत पता चलती है। जयसवाल ने कहा कि हम अपने राजनयिकों पर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं।

ट्रूडो सरकार के निराधार आरोपों के कारण संबंध हुए खराब

भारत ने गुरुवार को कहा कि कनाडा के साथ मौजूदा कूटनीतिक विवाद ट्रूडो सरकार के निराधार आरोपों के कारण बढ़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा वर्तमान संकट ट्रूडो सरकार के निराधार आरोपों के कारण हुआ है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, जायसवाल ने कहा कि भारत की ओर से 26 प्रत्यर्पण अनुरोध एक दशक या उससे अधिक समय से कनाडा की ओर से लंबित हैं। आपने पिछले दो दिन में प्रेस रिलीज देखी होंगी, जिनमें हमने कहा है कि सितंबर 2023 के बाद से कनाडा ने हमने कोई जानकारी साझा नहीं की। उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी और कोई ठोस साक्ष्य नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

डिबालोंग में लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। असम के डिबालोंग स्टेशन के पास एक ट्रेन डिरेल हो गई है। डिबालोंग में लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए। हालांकि, रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि ट्रेन डिरेल की वजह से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह दुर्घटना लुमडिंग डिवीजन के लुमडिंग–बदरपुर हिल सेक्शन में हुई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी इस दुर्घटना की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल हैंडल एक्स पर दी।

हमास का चीफ याह्या सिनवार मारा गया?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज तेल अवीव। हमास के चीफ और गाजा के लादेन के नाम से मशहूर याह्य सिनवार को क्या इजरायल ने मार गिराया है? इजरायली सेना ने गुरुवार को कहा है कि वह इसकी जांच कर रही है। 7 अक्तूबर को इजरायल पर हुए हमले का यह मास्टरमाइंड है।

संवैधानिक है नागरिकता अधिनियमः सुप्रीम कोर्ट

सुको की चार जजों की बेंच ने 4:1 के बहुमत से सुनाया फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को 4:1 के बहुमत के फैसले से असम में अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। संविधान पीठ ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की वैधता की पुष्टि की है। इसके तहत 1 जनवरी, 1966 और 25 मार्च, 1971 के बीच असम में प्रवेश करने वाले अवैध अप्रवासियों को नागरिकता का लाभ दिया गया था। आपको बता दें कि इनमें से अधिकतर बांग्लादेश से थे।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि असम समझौता अवैध प्रवास की समस्या का राजनीतिक समाधान है। बांग्लादेश के निर्माण के बाद राज्य में अवैध प्रवासियों के बड़े पैमाने पर प्रवेश ने इसकी संस्कृति और जनसांख्यिकी को गंभीर रूप से खतरे में डाल दिया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एम एम सुन्दरेश और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने बहुमत से दिए गए अपने फैसले में कहा कि संसद के पास इस प्रावधान को लागू करने की विधायी क्षमता है।

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने असहमतिपूर्ण निर्णय देते हुए धारा 6ए को असंवैधानिक करार दिया। कोर्ट ने कहा कि भारत में नागरिकता देने का एकमात्र तरीका रजिस्ट्रेशन नहीं है और धारा 6 ए को सिर्फ इसलिए असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि इसमें रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया नहीं दी गई है। इसलिए मेरा भी निष्कर्ष है कि धारा 6ए वैध है। इसके साथ ही कोर्ट अब बांग्लादेशियों की पहचान और निर्वासन के काम की निगरानी भी करेगा। नागरिकता कानून की धारा 6 ए को 1985 में असम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए संशोधन के बाद जोड़ा गया था।

जस्टिस पारदीवाला 6, को असंवैधानिक बताया

कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 4:1 के बहुमत से तीन फैसले सुनाए और नागरिकता कानून की धारा 6ए की वैधता बरकरार रखी। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने अल्पमत का अपना फैसला सुनाते हुए असहमति जताई और नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को असंवैधानिक करार दिया।

हरियाणा में फिर नायब सरकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चंडीगढ़। बृहस्पतिवार को पंचकूला के दशहरा मैदान हरियाणा में लगातार तीसरी बार किसी एक दल की सरकार बनने का गवाह बना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत 18 राज्यों के मुख्यमंत्रियों व उप मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में वाल्मीकि जयंती के दिन हरियाणा में भाजपा सरकार का गठन हुआ। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी सीएम नायब सैनी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नायब सिंह सैनी को दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्रिमंडल में 11 कैबिनेट मंत्रियों और दो राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) ने भी पद एवं गोपनीय की शपथ ली। कुरुक्षेत्र जिले की लाडवा विधानसभा सीट से विधायक चुने गए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में राजग के अधिकतर घटक दलों को बुलाकर भाजपा ने सहयोगी दलों के साथ अपनी राजनीतिक एकजुटता का भी बड़ा संदेश दिया है। पूर्व गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बाद मंत्रिमंडल में दूसरे नंबर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

शपथ ग्रहण

■11 कैबिनेट और 2 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभाव बने

किस समुदाय से कितने बने मंत्री

जाट समुदाय के महिपाल ढांडा और श्रुति चौधरी को नायब मंत्रिमंडल में जगह मिली है, जबकि ब्राह्मण समाज के डा. अरविंद शर्मा और गौरव गौतम मंत्रिमंडल में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। पंजाब समाज के सिर्फ एक मंत्री अनिल विज को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। वैश्य समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले विपुल गोयल और राजपूत समाज से श्याम सिंह राणा को मंत्री बनाया गया है।

बहराइच हिंसा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■आरोपियों और पुलिस के बीच मुठभेड़, दो के पैर में लगी गोली

बहराइच। बहराइच हिंसा के बाद आरोपियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है। वहीं मुठभेड़ के बाद 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुठभेड़ के बाद बहराइच एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि 5 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें से 2 पुलिस की गोली से घायल हुए हैं। सरफराज और मोहम्मद तालिब को गोली लगी है। यूपी पुलिस के अनुसार आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे। हिंसा के बाद से बहराइच में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

सरफराज और फहीम को करीब ढाई बजे अस्पताल लाया गया था। दोनों के पैरों में गोली लगी है। हालत उनकी सामान्य है। ईलाज चल रहा ह। इस घटना के एक आरोपी सरफराज का एनकाउंटर कर दिया गया है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आरोपियों का पुलिस से एनकाउंटर का सच जानना मुश्किल नहीं है। योगी की ठोक देंगे नीति के बारे में सब जानते हैं। अखिलेश यादव ने कहा, ये घटनाएं सरकार की नाकामी के कारण हो रही हैं।

न्यूज डायरी

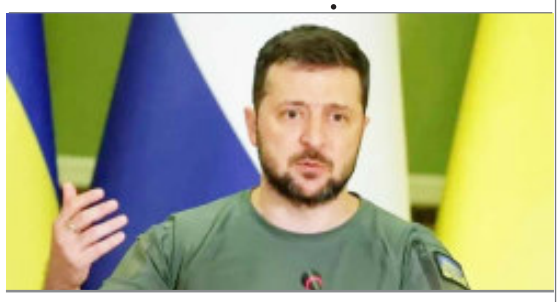

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने विजय योजना की कर दी घोषणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस के साथ लगभग ढाई साल से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपनी बहुप्रतीक्षित विजय योजना की घोषणा की। संसद में विजय योजना की घोषणा करते हुए कहा कि हमारे प्रमुख सहयोगी देश अमेरिका में पांच नवंबर को होने जा रहे चुनाव के कारण हमें एकजुट रहना होगा। इस विजय योजना पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रूस ने कहा कि अब हमारे व नाटो के बीच सीधे टकराव के आसार बन रहे हैं। जेलेंस्की ने गुरुवार को नाटो रक्षामंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। इस बीच अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 42.5 करोड़ डालर की सैन्य सहायता की एक और खेप जारी करने की घोषणा कर दी है। जेलेंस्की ने सांसदों को बताया कि उनकी योजना में पांच मुख्य बिंदु शामिल हैं। इनमें एक बिंदु नाटो में बिना शर्त शामिल होने और विशिष्ट हथियार हासिल करने का है। इसका दारोमदार हमारे सहयोगी देशों पर है। उन्होंने कहा कि भले ही युद्ध खत्म हो जाए या पुतिन कुछ भी चाहते हों हम अपने सहयोगियों की मदद से हालात बदल कर रहेंगे। हमे ऐसा हर हाल में करना होगा ताकि रूस को शांति के लिए मजबूर किया जा सके। उन्होंने यूक्रेन द्वारा गैर–परमाणु निरोधक क्षमता हासिल करने पर जोर दिया ताकि रूसी सैन्य शक्ति को नष्ट किया जा सके। गोपनीयता के कारण उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा। उनके भाषण के दौरान शीर्ष सैन्य व खुफिया विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

बदले ट्रूडो के सुर, कहा– हमारे पास नहीं थे कोई पुख्ता सबूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को स्वीकार किया कि पिछले साल खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय सरकारी एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाते समय उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी और कोई ठोस सुबूत नहीं था। संघीय चुनावी प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विदेशी हस्तक्षेप की जांच कर रहे स्वतंत्र आयोग के समक्ष गवाही देते हुए ट्रूडो ने दावा किया कि भारतीय राजनयिक उन कनाडाई लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे थे जो नरेंद्र मोदी सरकार के विरोधी थे। ये राजनयिक इन जानकारियों को भारतीय सरकार के शीर्ष स्तर और लारेंस बिश्नोई गिरोह जैसे आपराधिक संगठनों तक पहुंचा रहे थे। इससे पहले पहले भारत कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि कनाडा ने निज्जर हत्यांकाड मामले में भारत को कोई सबूत नहीं दिए हैं। कनाडा हो या न्यूजीलैंड या कोई और भारत बिना ठोस सबूत के अपना रुख नहीं बदलेगा। यह बात भारत ने दो दिन पहले कनाडा के उच्चायुक्त को निष्कासित करने के दिन भी कही थी। खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर विदेशी हस्तक्षेप आयोग में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि अगस्त में कनाडा और द फाइव आईज से खुफिया जानकारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत इसमें शामिल था। भारत के एजेंट कनाडाई धरती पर इसमें शामिल थे।

यमन में पहली बार गरजा महाशक्तिशाली बी–2 स्टील्थ बॉम्बर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सना। अमेरिकी एयर फोर्स ने यमन में हूती चरमपंथियों पर बड़ा हमला बोला है। अमेरिका मीडिया आउटलेट सीएनएन ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि हमले में ईरान समर्थित हूतियों के बमों के जखीरे को निशाना बनाया गया है। तीन अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड फोर्स ने यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों में ईरान समर्थित हूती हथियार भंडारण सुविधाओं पर कई हवाई हमले किए गए। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जिन सुविधाओं को निशाना बनाया गया, उनमें लाल सागर और अदन की खाड़ी में सैन्य और नागरिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार रखे गए थे। इस हमले के लिए अमेरिकी सेना ने बी–2 स्पिरिट बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। यह पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में हूतियों के खिलाफ स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। ये हमला यमन में स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह तड़के किया गया है।

ट्रंप अस्थिर हैं और हम सभी को चिंतित होना चाहिएः हैरिस

चुनौती

डोनाल्ड ट्रंप की टीम बोली– वे बिल्कुल स्वस्थ हैं

कमला हैरिस ने ट्रंप को अपने मेडिकल जांच को सार्वजनिक करने की दी चुनौती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ट्रंप को अस्थिर कहा। हैरिस ने ट्रंप की योग्यता पर सवाल उठाया और उन्हें मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करने की चुनौती दी। हालांकि अभी तक ट्रंप ने अपना मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं किया है। इसके उलट कमला हैरिस अपने मेडिकल साक्ष्य आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा कर चुकी हैं।

हाल ही में ट्रंप के पूर्व सलाहकारों ने खुलासा कि वे अपने राष्ट्रपति शासन के दौरान लोगों के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ सेना के इस्तेमाल के बारे में उत्सुक थे। एक कार्यक्रम में ट्रंप ने डेमोक्रेट्स और वामपंथियों को आंतरिक दुश्मन बताया।

इस पर हैरिस ने कहा, उन्होंने अमेरिकी लोगों के खिलाफ अमेरिकी सेना का इस्तेमाल करने की बात कही है। ट्रंप ने लोगों को जेल भेजने की बात कही। यह सिर्फ इसलिए क्योंकि वे उनसे असहमत हैं। उन्होंने आगे कहा, वह अस्थिर हैं और हम सभी को चिंतित होना चाहिए।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप को अपने मेडिकल जांच को सार्वजनिक करने की चुनौती दी। हैरिस ने कहा कि मैंने अपने मेडिकल रिकॉर्ड जारी कर दिए हैं। डोनाल्ड ट्रंप को भी ऐसा ही करना चाहिए। उन्होंने आगे यह भी कहा कि मैं जनता से ट्रंप की रैलियों को देखने और उनकी बौद्धिक प्रखरता पर निर्णय लेने का न्योता देती हूं।

व्हाइट हाउस ने कमला हैरिस की मेडिकल रिपोर्ट जारी की। इसके मुताबिक वे बिल्कुल स्वस्थ्य हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रपति पद की खातिर फिट भी हैं। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए आवश्यक शारीरिक और मानसिक योग्यता रखती हैं।

इसी साल अगस्त में एक पत्रकार ने डोनाल्ड ट्रंप ने मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करने को कहा था। इस पर ट्रंप ने कहा था कि खुशी से मेडिकल रिकॉर्ड जारी करेंगे। मगर अभी तक उन्होंने कोई रिकॉर्ड जारी नहीं किया। इस बीच कमला हैरिस ने उन पर मेडिकल रिपोर्ट जारी करने का दबाव बढ़ा दिया है। हैरिस की चुनौती पर ट्रंप की प्रचार टीम ने इतना ही कहा कि वे कमांडर इन चीफ बनने के लिए पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

कमला हैरिस ने हाल में कहा था कि वह व्हाइट हाउस में अपने 4 वर्षों के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन से अलग कुछ भी नहीं सोच सकती थीं। जब उनसे इस टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्रपति पद जो बाइडन के राष्ट्रपति पद का विस्तार नहीं होगा। हम नए विचार के साथ आएंगे। मैं नेतृत्व की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हूं।

ट्रंप ने कहा– प्रजनन मुद्दों पर हम पर भरोसा करें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आपको आईवीएफ का जनक बताया। महिला मतदाताओं के एक टाउन हाल में उन्होंने यह दावा किया। हालांकि बाद में ट्रंप के चुनाव अभियान से जुड़े लोगों ने ट्रंप के बयान को मजाक बताया।

ट्रंप ने महिलाओं को यह भी बताने की कोशिश की कि वह प्रजनन से जुड़े मुद्दों पर उन पर भरोसा कर सकती हैं। जॉर्जिया में फॉक्स न्यूज के महिला सम्मेलन में ट्रंप ने कहा कि मैं आईवीएफ के बारे में बात करना चाहता हूं। मैं आईवीएफ का जनक हूं। प्रजनन मामलों में रिपब्लिकन पार्टी को रूढ़िवादी माना जाता है। यही वजह है कि प्रजनन उपचार से जुड़ी कुछ प्रतिबंधों को के बारे में अमेरिकी महिलाएं चिंतित हैं। हालांकि ट्रंप ने आईवीएफ प्रक्रिया के बारे में अपनी पार्टी के समर्थन की बात कही है।

ट्रंप ने कहा कि हम आईवीएफ के पक्ष में हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, निषेचन पूरी तरह से हो. .. यह हमारी मंशा है। मगर डेमोक्रेट्स ने इस पर हमले का प्रयास किया है। हम आईवीएफ पर उनसे (डेमोक्रेट्स) ज्यादा आगे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सम्मलेन में यह भी वादा किया कि वे आईवीएफ को निःशुल्क बनाने का समर्थन करेंगे।

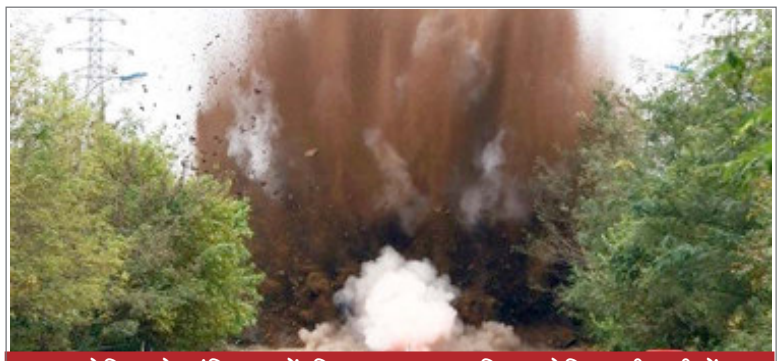

उत्तर कोरिया ने संविधान में किया बदलाव, दक्षिण कोरिया की बढ़ी टेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान में संशोधित करते हुए दक्षिण कोरिया को पहली बार शत्रु राष्ट्र करार दिया है। संविधान में बदलाव के लिए उत्तर कोरिया की संसद में पिछले हफ्ते दो दिन तक बैठक हुई थी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने जनवरी में दक्षिण कोरिया को देश का मुख्य शत्रु घोषित करने का आह्वान किया था। उत्तर कोरिया ने उन सड़कों और रेल संपर्क सुविधाओं को ध्वस्त कर दिया जो अब उपयोग में नहीं हैं और जो कभी उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से जोड़ती थीं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि दोनों देशों को जोड़ने वाली सड़क संपर्क को तोड़ना, दक्षिण कोरिया को एक शत्रु राष्ट्र के रूप में स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। दक्षिण कोरिया की सेना ने मंगलवार को उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा दोनों देशों को जोड़ने वाली सड़कों और रेल मार्गों पर विस्फोट करने का वीडियो फुटेज जारी किया।

चीन ने की चांद पर बेस बनाने की घोषणा, बताई 2050 तक की प्लानिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज का पता भी लगाएगा

बीजिंग। भारत ने साल 2023 में चंद्रयान को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतार कर इतिहास रच दिया था। चांद पर अपना यान लैंड कराकर भारत ने चीन, अमेरिका और रूस की बराबरी की थी। इस समय भारतीय अतंरिक्ष एजेंसी इसरो आने वाले समय के लिए कई मिशन्स पर काम कर रहा है। इस बीच चीन से एक खबर सामने आई है। पड़ोसी राष्ट्र चीन ने मंगलवार को यह घोषणा की है कि वह चांद पर अपना बेस बनाने जा रहा है।

चीन ने सिर्फ बेस ही नहीं बल्कि अगले कुछ दशकों में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार करने के लिए मानवयुक्त चंद्र मिशन शुरू करने, चंद्र अंतरिक्ष स्टेशन बनाने तथा रहने योग्य ग्रहों और अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज का पता लगाएगा। चीन ने कहा कि अगले कुछ दशकों में ये काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान चीन ने अतंरिक्ष मिशन को लेकर 2050 तक की अपनी पूरी प्लानिंग बताई।

अंतरिक्ष जगत में चीन और अमेरिका अक्सर एक दूसरे को टक्कर देते रहते हैं। छौ। और ब्छै। के बीच एक दूसरे से आगे रहने की होड़ मची रहती है। छौ। को टक्कर देने के लिए चीन की अतंरिक्ष एजेंसी ब्छै। ने 2050 तक की पूरी प्लानिंग कर ली है और आने वाले कुछ सालों में चीन अतंरिक्ष पर अपना बेस भी तैयार कर लेगा। चीन के शीर्ष अंतरिक्ष निकायों ने अंतरिक्ष विज्ञान के लिए दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम का अनावरण किया, जो 2024 से 2050 तक देश के अंतरिक्ष विज्ञान मिशन और अंतरिक्ष अनुसंधान की योजना का मार्गदर्शन करेगा।

सीएएस चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन और चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी द्वारा यहां मीडिया को जारी कार्यक्रम में चीन के अंतरिक्ष विज्ञान लक्ष्यों को रेखांकित किया गया। इसमें पांच प्रमुख वैज्ञानिक विषयों के तहत 17 प्राथमिकता वाले क्षेत्र और तीन चरण वाला प्रारूप शामिल हैं। सीएएस के उपाध्यक्ष डिंग चिबियाओ ने मीडिया को बताया कि चीन द्वारा शुरू किए गए अंतरराष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन का निर्माण 2028 से 2035 तक दूसरे चरण के दौरान किया जाएगा।

लेबनान के रिहाशी इलाकों पर इजरायल के हवाई हमले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरूत। लेबनान में किए गए इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 25 लोग मारे गए हैं। इन हमलों में एक दक्षिणी शहर पर की गई बमबारी भी शामिल है, जिसमें एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई। लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक अन्य हमले में शहर के मेयर की भी मौत हो गई। लेबनानी अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह हमला राहत प्रयासों में समन्वय के लिए आयोजित बैठक स्थल को निशाना बनाकर किया गया। दक्षिणी शहर कना में देर रात किए गए हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई, जहां 15 लोग मारे गए हैं। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने इजरायल पर, राहत प्रयासों पर चर्चा करने के लिए आयोजित नगर परिषद की बैठक को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

ज्योतिर्मठ की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीरता से कर रही काम

बैठक

जिलाधिकारी ने ज्योतिर्मठ में स्थानीय लोगों को प्रस्तावित कार्यो की दी जानकारी

संवाददाता

चमोली। ऐतिहासिक एवं धार्मिक शहर ज्योतिर्मठ की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीरता से काम कर रही है। भूधंसाव से प्रभावित ज्योतिर्मठ शहर में सुरक्षात्मक कार्यो के लिए डीपीआर तैयार करने का काम लगभग पूरा हो गया है। आईआईटी रुड़की से डीपीआर का परीक्षण पूरा करने पर जल्द इस पर काम शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को ज्योतिर्मठ में स्थानीय लोगों को प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देते हुए यह बात कही।

ज्योतिर्मठ में प्रस्तावित सुरक्षात्मक कार्यो को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नगर पालिका सभागार में स्थानीय लोगों के साथ बैठक हुई। जिसमें कार्यदायी संस्थाओं ने शहर में सुरक्षात्मक कार्यो के लिए तैयार की गई डीपीआर का प्रस्तुतिकरण दिया। बताया कि ज्योतिर्मठ में सीवरेज, ड्रेनेज, स्लोप स्टेबलाइजेशन और नदी किनारे टो–प्रोटेक्शन वॉल निर्माण के कार्य किए जाने है।

पेयजल निगम ने सीवरेज और ड्रेनेज कार्यो का प्रजेंटेशन देते हुए बताया कि ज्योतिर्मठ में 2.95 एमएलडी क्षमता का नया एसटीपी बनाने के साथ ही सभी घरों को सीवर लाईन से जोडा जाएगा। औली से मारवाड़ी तक बहने वाले सात प्रमुख नालों सहित इसके सहयोगी छोटे बडे सभी नालों का ट्रीटमेंट किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग द्वार पूरे ज्योतिर्मठ क्षेत्र में 12 स्थानों पर स्लोप स्टेबलाइजेशन और नगर क्षेत्र में सभी सड़कों का ट्रीटमेंट किया जाएगा। सिंचाई विभाग द्वारा अलकनंदा नदी किनारे टो–प्रोटेक्शन वॉल के निर्माण हेतु डीपीआर तैयार की गई है। शीघ्र ही इन सभी प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए ज्योतिर्मठ में समिति गठित की जाएगी। समिति में ज्योतिर्मठ के प्रत्येक वार्ड से किसी एक व्यक्ति को सदस्य के तौर पर रखा जाएगा। प्रस्तावित कार्यों के लिए निजी भूमि की आवश्यकता पडने पर एक निर्धारित एसओपी के तहत मुआवजा वितरण के साथ सरकार द्वारा भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को धौलीगंगा पर विष्णुप्रयाग से ऐरा पुल तक नदी किनारे सुरक्षात्मक कार्य की भी डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शीतकाल को देखते हुए ग्रीन एवं यलो जोन में स्थित भवनों की मरम्मत और सुरक्षित स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए जल्द अनुमति दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि ज्योर्तिमठ में पुनर्वास कार्यालय स्थापित करते हुए कार्मिकों की तैनाती कर ली गई है। स्थानीय लोगों की छोटी बडी समस्याओं का भी प्राथमिकता पर निस्तारण करने का प्रयास रहेगा।

न्यूज डायरी

सीएचसी बड़कोट से फिजिशियन हटाने पर आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता उत्तरकाशी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट में फिजिशियन की यथावत तैनाती को लेकर नगरवासियों ने प्रभारी चिकित्सक के माध्यम से मुख्य चिकित्साधिकारी उत्तरकाशी को पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने फिजिशियन को हटाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मालूम हो कि बड़कोट सीएचसी में फिजिशियन डॉ. सौरभ की तैनाती यथावत रखने की मांग उठने लगी है। नगर और क्षेत्र के लोगों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन भेजकर फिजिशियन को बड़कोट में ही स्थायी तैनाती की मांग की है। साथ ही स्थानान्तरण करने पर नगरवासियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। नगरवासियों ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंगद राणा के माध्यम से जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन भेजा। पत्र देने वालों में जय हो ग्रुप संयोजक सुनील थपलियाल, सहकारी समिति के निर्वतमान अध्यक्ष अजय सिंह रावत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जशोदा राणा सहित दर्जनों थे।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बोर्ड ने कंपनियों के अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दी

संवाददाता देहरादून। एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसईरू 532850, एनएसईरू एमआईसीईएल) ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने समानध्संबद्ध लाइनों में लगी कंपनियों की बाजार में उपस्थिति को बढ़ाने, नए बाजारों और प्रौद्योगिकियों तक पहुंच बनाने के लिए कंपनी के व्यवसाय का विस्तार करने हेतु अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, बोर्ड ने सदस्यों की मंजूरी के अधीन, 5 साल की अवधि के लिए नॉन–एग्जीक्यूटिव इंडिपेंडेंट केटेगरी में कंपनी के अतिरिक्त निदेशक के रूप में श्री पेनुमाका वेंकट रमेश की नियुक्ति को मंजूरी दे दी।

हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड बोर्ड ने स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की

संवाददाता देहरादून। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एचएमपीएल) (बीएसईर रू 532467), जो इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) ठेका सेवाओं में अग्रणी है, ने घोषणा की है कि 07 नवंबर 2024 को 1:10 स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की गई है, जैसा कि कंपनी की वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित किया गया था। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसके बोर्ड ने स्क्वायर पोर्ट शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड के हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड में विलय के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य दोनों व्यवसायों की ताकतों और तालमेल को एकजुट करना और सभी हितधारकों के बेहतर हित में काम करना है।

सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जागरूकता जरूरी: राज्यपाल

संवाददाता ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि एम्स ऋषिकेश की हेली एम्बुलेंस और टेलिमेडिसिन सुविधा से विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस पहाड़ी राज्य में स्वास्थ्य से संबंधित चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी प्रभावशाली तकनीक के प्रयोग से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। ये बातें उन्होंने गुरुवार को एम्स ऋषिकेश द्वारा देहरादून स्थित राजभवन में विश्व ट्रॉमा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में सड़क दुर्घटनाओं को कम करना एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर जन–जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ट्रॉमा से पीड़ित व्यक्ति के प्रति सिर्फ चिकित्सकों की ही नहीं बल्कि सर्वसमाज की जिम्मेदारी है।

हेल्थ, एसडीआरएफ, एनसीसी और रेडक्रॉस की टीमों को समन्वय बनाकर इसे आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने एम्स द्वारा आयोजित किए जा रहे जन–जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने राज्य सरकार के साथ मिलकर 250 से अधिक दुर्घटनाग्रस्त मरीजों की सफलतापूर्वक हेलीकॉप्टर द्वारा निकासी की है, जिससे समय पर जीवन रक्षक चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सकी है। इस दौरान उन्होंने एम्स के ट्रॉमा केंद्र में कार्यरत नर्सिंग अधिकारी, एम्स ऋषिकेश के सफाई कर्मचारी एवं शवगृह सहयोगियों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया।

दीपावली से पहले रोडवेज कर्मचारी करेंगे कार्य बहिष्कार

23–24 को रोडवेज कर्मचारी करेंगे हड़ताल

संवाददाता हल्द्वानी। दिवाली से पहले रोडवेज कर्मचारी एक बार फिर कार्य बहिष्कार की तैयारी में हैं। 23 और 24 अक्तूबर को परिवहन निगम की तीन यूनियनों के संयुक्त मोर्चे ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है। इससे रोडवेज बस सेवाओं के संचालन प्रभावित होने की आशंका है। त्योहारी सीजन नजदीक आते ही उत्तरांखड परिवहन निगम ने तैयारी शुरू कर दी है।

बसों को फिट रखने के निर्देश दिए गए हैं, जरूरत पड़ने पर बसों के फेरे भी बढ़ाये जा सकते हैं। मगर, रोडवेज कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार निगम की तैयारियों पर भारी पड़ सकता है। दरअसल, निजी वाहनों को नए परमिट रूट जारी करने से रोडवेज कर्मचारी पहले से ही नाराज हैं।

दूसरी ओर 10 साल से अधिक समय से निगम में काम कर रहे संविदा और विशेष श्रेणी कर्मचारियों का नियमितीकरण न होने से भी कर्मचारियों में नाराजगी है। इसे लेकर उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन, रोडवेज कर्मचारी इम्प्लॉयज यूनियन, एससीएसटी श्रमिक संघ ने संयुक्त मोर्चा बनाया है। पहले चरण में आज रोडवेज बस अड्डा हल्द्वानी में मोर्चा की बैठक और सांकेतिक प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद 23 और 24 अक्तूबर को प्रस्तावित कार्य बहिष्कार की रणनीति पर चर्चा होगी।

रोडवेज कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार से त्योहारी सीजन में बस सेवाएं प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी होगी। उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कमल पपने ने बताया कि प्रदेश भर में दो दिन कर्मचारी कार्य बहिष्कार पर रहेंगे। आज बैठक में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी।

कांग्रेस में गुटबाजी दिखाने का षडयंत्र रच रही भाजपाः दसोनी

संवाददाता

केदारनाथ में हार तय देख कर भाजपा फैला रही अफवाहें

देहरादून। कांग्रेस ने भाजपा पर केदारनाथ चुनाव को लेकर षडयंत्र रचने का आरोप लगाया। कांग्रेस मुख्य प्रवक्ता गरिमा दसोनी ने एक बयान जारी कर रहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। कांग्रेस में गुटबाजी दिखाने का भाजपा षडयंत्र रच रही है। केदारनाथ में हार तय देख अफवाहें फैलाई जा रही हैं।

कांग्रेस में गुटबाजी की खबरों को सिरे से नकारते हुए दसोनी ने कहा कि षडयंत्र रचने के मामले में भाजपा हमेशा एक्सपर्ट रही है। जब जब भाजपा को सामने हार नजर आती है, वो इसी तरह के प्रपंच रचने का काम करती है। भाजपा को साफ मालूम है कि केदारनाथ का चुनाव उसके लिए टेड़ी खीर साबित होने जा रहा है। इसीलिए भाजपा ने पहले पांच पांच कैबिनेट मंत्रियों को केदारनाथ में तैनात किया। उससे भी बात न बनी तो सरकार ने ताबड़तोड़ घोषणाओं की झड़ी लगा दी।

कहा कि अब जब कांग्रेस ने अपने पर्यवेक्षकों की संख्या दो से बढ़ा कर चार कर दी है, तो उसे गुटबाजी और अंतर्कलह का नाम दिया जा रहा है। कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट है। केदारनाथ की जनता पढ़ी लिखी है। हर बार उसने अपने विवेक से फैसला किया है।

जनता न घोषणाओं के लालच में आएगी और न ही मंत्रियों की उपस्थिति उन्हें प्रभावित कर सकेगी। जनता चार धाम यात्रा की अव्यवस्थाओं से नाराज है। केदार घाटी में आपदा से हुए नुकसान की अनदेखी को लेकर जनता आक्रोशित है।

केदारनाथ में सोना चोरी, क्यूआर कोड विवाद, गर्भ गृह की परंपराओं, मान्यताओं को जिस तरह ताक पर रखा गया, उससे भाजपा पूरी तरह बेनकाब हो गई है। भाजपा का छद्म हिंदुत्व पूरी तरह से बेनकाब हो चुका है। बेरोजगारी और महंगाई से केदारनाथ की जनता भी अछूती नहीं है। पेपर लीक होने से लेकर अग्निवीर योजना को लेकर लोगों में गुस्सा है। ऐसे में भाजपा का केदारनाथ चुनाव जीतने के दावे सिर्फ मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर निकाली शोभायात्रा

संवाददाता ऋषिकेश। डोईवाला में महर्षि वाल्मीकि की जयंती गुरुवार को धूमधाम से मनाई गई। वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में राम, सीता, लक्ष्मण आदि की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। वाल्मीकि समाज की ओर से महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। नगर पालिका परिसर से शुरू हुई शोभायात्रा नगर चौक, मिल रोड, मिल गेट, केशवपुरा, राजीव नगर, वाल्मीकि मंदिर ऋषिकेश रोड होते हुए नगर पालिका परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। शोभा यात्रा के दौरान भगवान महर्षि वाल्मीकि, राम सीता के अलावा विभिन्न प्रकार झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी। आयोजन समिति से जुड़े सुरेंद्र कुमार ने बताया कि भगवान महर्षि वाल्मीकि की पूजा–अर्चना के बाद नगर में शोभायात्रा निकाली गई।

संवेदनशील मसला

डॉक्टर आखिरी पल तक मरीज को बचाने का प्रयास करते हैं, भले ही कुछ मामलों में यह कोशिश नाकाम हो जाए। ऐसे में इलाज के दौरान किसी खास बिंदु पर उन प्रयासों से हाथ खींचने का फैसला स्वाभाविक ही कई डॉक्टरों को अपने पेशे से अन्याय लग सकता है।

अनुज श्रीवास्तव।।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से इच्छा मृत्यु को लेकर जारी किए गए गाइडलाइंस के मसौदे ने इस पर जारी बहस को तेज कर दिया है। इंडियन मेडिकल असोसिएशन ने भी यह कहते हुए आपत्ति की है कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाए जाने का फैसला करने की जिम्मेदारी डॉक्टरों पर डालना ठीक नहीं है। इससे उन पर दबाव बढ़ जाएगा। इच्छा मृत्यु के भावनात्मक, कानूनी और चिकित्सकीय पहलू इससे जुड़े किसी भी मामले में फैसला लेना कठिन बना देते हैं। लेकिन फिर भी फैसला तो करना ही होता है। सुप्रीम कोर्ट भी 2018 में निष्क्रिय इच्छा मृत्यु की कुछ शर्तों के साथ इजाजत दे चुका है। ऐसे में फैसले की प्रक्रिया जितनी स्पष्ट और परिभाषित होगी, फैसला लेना और उसे लागू करना उतना आसान होगा। सरकार की ओर से गाइडलाइंस जारी करने की पहल के पीछे यही सोच है।

गाइडलाइंस के मसौदे को देखें तो इसमें यह प्रयास स्पष्ट नजर आता है कि फैसला कई स्तरों पर परखे जाने के बाद ही अमल में आए। इसके मुताबिक, लाइफ सपोर्ट सिस्टम की जरूरत और उसकी उपयोगिता पर फैसला करने वाले प्राइमरी मेडिकल बोर्ड में प्राइमरी फिजीशन के अलावा कम से कम दो ऐसे एक्सपर्ट होंगे, जिनके पास कम से कम 5 साल का अनुभव होगा। इसके बाद सेकंडरी मेडिकल बोर्ड इस फैसले की समीक्षा करेगा, जिसमें सीएमओ द्वारा मनोनीत एक रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के अलावा दो एक्सपर्ट होंगे। इसके साथ ही पेशंट के परिवार की सहमति भी जरूरी होगी।

केस की बारीकी के आधार पर निष्कर्ष तो आज भी डॉक्टरों का ही होता है, लेकिन वे पेशंट या परिजनों को पूरी स्थिति समझाते हैं और फिर पेशंट या परिवार फैसला करता है। फैसला करने से डॉक्टरों की हिचक समझी जा सकती है। दरअसल, यह प्रफेशन ही मरीजों को बचाने का है। डॉक्टर आखिरी पल तक मरीज को बचाने का प्रयास करते हैं, भले ही कुछ मामलों में यह कोशिश नाकाम हो जाए। ऐसे में इलाज के दौरान किसी खास बिंदु पर उन प्रयासों से हाथ खींचने का फैसला स्वाभाविक ही कई डॉक्टरों को अपने पेशे से अन्याय लग सकता है।

मगर यहां कई पहलू हैं। सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि जीवन की गरिमा के साथ ही मौत की गरिमा का सवाल भी जुड़ा है। फिर संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल की भी बात है। अगर किसी मरीज के ठीक होने की संभावना नहीं रह गई है तो उन मेडिकल संसाधनों का उपयोग ऐसे मरीज को बचाने में करना बेहतर है, जिसे बचाया जा सकता हो। बहरहाल, सरकार ने गाइडलाइंस के इस मसौदे पर 20 अक्टूबर तक सुझाव मांगे हैं। उम्मीद की जाए कि आने वाले तमाम सुझावों की रोशनी में बनी गाइडलाइन ज्यादा उपयुक्त और ज्यादा व्यावहारिक होगी।

मेहमान नवाजी

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। उसके बाद लोहार कहता है कि यह कोई पूछने की बात है आप जैसे महात्माओं को शरण देने और हमें आपके मेहमान नवाजी करने का मौका दो बहुत ही किस्मत से ही मिलता है। उसके बाद लोहार ने महात्मा जी के ठहरने की पूरी अच्छी सी व्यवस्था किया उनका अच्छा से मेहमान नवाजी किया। और उसके बाद उनका पूरे आने–जाने के थकान के कारण होने वाले सभी प्रकार के दवाइयों का भी निवारण किया। जब महात्मा लोहार के यहां से जाने लगा तो महात्मा जी बहुत ज्यादा खुश हुए थे उसकी मेहमान नवाजी को देखकर। इंग्लिश में महात्मा और उसके शीशे जाने की तैयारी कर रहा था उसके बाद महात्मा लोहार के पास आता है और कहता है कि तुम्हें तीन वरदान में दे सकता हूं बताओ तुम्हें क्या चाहिए।

..... शेष कल

संपादकीय

काले कानूनों को हटाया

भारत से अंग्रेजों के जाने के 70 वर्षों बाद भी उनके बनाए गए कानून न्यायालयों में बरकरार रहे। ऐसे कई कानून ब्रिटिश राज में भारतीयों के शोषण के औजार थे। गुलामी के हर प्रतीक को समाप्त करने की दिशा में इस सरकार ने भारतीय न्याय संहिता के रूप में देश को स्वदेशी कानून दिए हैं, जिनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि अपराध रोकना है। आजादी के अमृत काल में सरकार के इन प्रयासों से भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिल रही है। आज देश का युवा अपनी भाषा, संस्कृति और महान विरासत पर गर्व कर रहा है। कोई भी युवा भाषाई जटिलता के कारण तकनीकी शिक्षा से वंचित न रहे इसका विशेष ध्यान रखते हुए नई शिक्षा नीति के तहत कई राज्यों मे इंजिनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा भी हिंदी भाषा में प्रारंभ की जा चुकी है। देश के सांस्कृतिक जागरण के इस महायज्ञ के अग्रदूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और विरासत के साथ आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

महान संस्कृति और विरासत के प्रति भी लोगों में भाव जागा है जो आजादी के बाद और मोदी सरकार के आने के पहले कहीं खो गया था।

विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा

स्वामी चिदानन्द सरस्वती।।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का शासन संभाले 10 वर्ष पूरे चुके हैं। इस दौरान हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव हुआ है। आजादी के अमृत महोत्सव में गुलामी की मानसिकता से मुक्ति की दिशा में हुए कार्यों ने देश की सांस्कृतिक विविधता और महान सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित तो किया ही है, साथ ही इसे पूरी दुनिया में प्रतिष्ठित भी किया है। नरेंद्र मोदी का कार्यकाल भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का काल है। बीते 10 वर्षों में देश की राजनीतिक संस्कृति में तो बदलाव आया ही है, कार्यसंस्कृति में बदलाव का भी सबने अनुभव किया है। महान संस्कृति और विरासत के प्रति भी लोगों में भाव जागा है जो आजादी के बाद और मोदी सरकार के आने के पहले कहीं खो गया था।

आज जनता को विश्वास है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। आजादी के बाद से देश में राजनीति के केंद्र रहे राम मंदिर, तीन तलाक, जम्मू–कश्मीर में धारा 370 और नागरिकता कानून जैसे तमाम मुद्दों को प्रधानमंत्री ने स्थायी समाधान तक पहुंचाया। मोदी सरकार ने बीते एक दशक में सांस्कृतिक पुनरुत्थान, गरीब कल्याण और वैश्विक सम्मान का नया कीर्तिमान बनाया है। पहले देश की

सांस्कृतिक विरासत पर कई आघात हुए। देश के विभाजन के बाद न केवल हिंदू समाज को अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ी बल्कि हमारी महान संस्कृति को भी अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ा। लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वह माहौल बदला। उन्होंने देशवासियों को सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहरों पर गर्व करना सिखाया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को आम जीवन, विदेश नीति और विकास से जोड़ा, जो देश को न केवल एकसूत्र में पिरोता है बल्कि समाज के सभी वर्गों में समानता का सेतु भी बनाता है। काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम के माध्यम से पहली बार प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि सांस्कृतिक विविधता देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में कितनी कारगर साबित हो सकती है।

बीते वर्षों में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण, उज्जैन में भव्य श्री महाकाल महालोक का लोकार्पण, अयोध्या में लाखों दीपों से प्रभु श्रीराम की विजय यात्रा का अभिनंदन, 500 वर्ष बाद भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण कार्य, जम्मू–कश्मीर में मंदिरों का जीर्णोद्धार, पावागढ़ में भव्य मंदिर का निर्माण, मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निर्माण, बुद्ध सर्किट का निर्माण, जैन सर्किट का निर्माण, सूफी सर्किट का निर्माण और केदारनाथ बदरीनाथ–सोमनाथ धाम का विकास इसका प्रमाण है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो रहा है। 1600 वर्ष पुरानी धरोहर नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरुत्थान हुआ तो योग एवं आयुर्वेद का भी परचम लहराया। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में नरेंद्र मोदी ने योग को संपूर्ण विश्व के सामने प्रखरता से रखते हुए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मान्यता दिलवाई, यह वैश्विक पटल पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की सामूहिक स्वीकार्यता का पहला महत्वपूर्ण अवसर था।

जम्मू–कश्मीर के एक बड़े कालखंड के अंतराल के बाद सैकड़ों मंदिरों का कायाकल्प हो रहा है। श्रीनगर में 700 साल पुराने मंगलेश्वर भैरव मंदिर के जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया है। अनंतनाग में मार्तंड सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार हो रहा है। कुपवाड़ा में मां शारदा देवी मंदिर का उद्घाटन हो चुका है। मोदी सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पेश करते हुए भाषाओं के माध्यम से सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा दिया।

सूडोकु नवताल-5321

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक लाड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5320 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

अपना ब्लॉग

नाम परिवर्तन नहीं भाव परिवर्तन

मोहन। यह एक विडंबना ही थी कि आजादी के वर्षों बाद भी हम उपनिवेशवादी मानसिकता को ढो रहे थे। कई शहरों, सड़कों, कई महत्वपूर्ण सरकारी संस्थानों और यहां तक कि देश की शिक्षा प्रणाली पर भी उपनिवेशवाद की छाप थी। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने का प्रण लेते हुए इस पर कार्य शुरू किया। अंग्रेजों ने किंग जॉर्ज पंचम के सम्मान में इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन को जोड़ने वाली जिस सड़क का नाम किंग्सवे रखा था, उसे बदलकर उसका नाम कर्तव्य पथ कर दिया। भारतीय नौसेना के ध्वज से भी औपनिवेशिक काल के सेंट जॉर्ज क्रॉस को मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की शाही मुहर से प्रेरित प्रतीक से बदला गया, इसी तरह इंडिया गेट से करीब 150 मीटर पर मौजूद कैनोपी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा को स्थापित किया गया, जहां पहले किंग जॉर्ज पंचम की मूर्ति हुआ करती थी। इस सबसे आगे बढ़ कर प्रधानमंत्री आवास रेस कोर्स रोड को बदल कर लोक कल्याण मार्ग का नाम दिया गया।

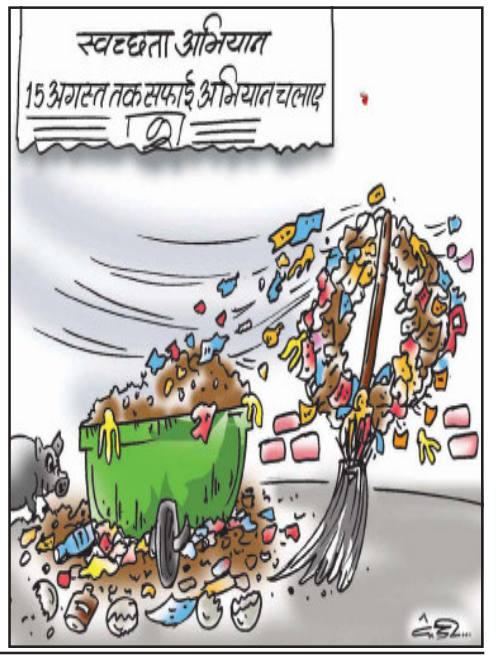

खुशाली कुमार का बरेली में भीड़ ने किया बुरा हाल, बचाने दौड़ी पुलिस

टी–सीरीज के फाउंडर गुलशन कुमार की बेटी और एक्ट्रेस खुशाली कुमार के साथ बरेली में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसने उन्हें बुरी तरह डरा दिया। वह बुरी तरह खौफ में आ गईं और उनकी मदद के लिए पुलिस को आगे आना पड़ा। खुशाली कुमार का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह बुरी तरह सकपकाई नजर आ रही हैं। साथ में पुलिस भी है। खुशाली को देखकर लग रहा है कि जैसे वह सदमे में हैं। बताया जा रहा है कि खुशाली कुमार बरेली में फिल्म दुल्हनिया ले आएगी की शूटिंग कर रही थीं। लेकिन इस दौरान उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लोगों की भारी भीड़ ने उन्हें बुरी तरह घेर लिया। खुशाली कुमार की हालत खराब हो गई। वो तो स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई और एक्ट्रेस को भारी भीड़ से बचा लिया। वीडियो में खुशाली पुलिस के घेरे के बीच चलती नजर आ रही हैं। खुशाली के चेहरे पर डर की लकीरें साफ नजर आ रही थीं। खुशाली के साथ क्या हुआ या उनकी ऐसी हालत कैसे हुई, यह तो फिलहाल पता नहीं चला है। पर फैंस जरूर टेंशन में हैं। वीडियो पर फैंस के काफी कमेंट आ रहे हैं और पूछ रहे हैं कि खुशाली ठीक तो हैं? उनके साथ क्या हुआ है? प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो खुशाली पिछली बार फिल्म घुड़चढ़ी में नजर आई थीं, जो अगस्त में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई।

मुंबई लौटीं प्रियंका चोपड़ा ने पपाराजी को किया नमस्ते

प्रियंका चोपड़ा इंडिया आ चुकी हैं। बुधवार, को उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए प्रियंका पपाराजी को देख चहक उठीं। उन्होंने पपाराजी को हाथ जोड़कर नमस्ते किया और हालचाल पूछा। इसके बाद वह फिर से उन्हें नमस्ते कहकर अपनी कार में बैठ गईं। प्रियंका चोपड़ा को पपाराजी और फैंस ने चारों तरफ से घेर लिया था, पर एक्ट्रेस जरा भी असहज नहीं हुईं और खूब हंसी–खुशी मिलीं। उन्होंने वाइट कलर की पैंट और क्रॉप टॉप पहना था। कैप और गॉगल्स लगाए प्रियंका काफी स्टाइलिश लग रही थीं। इस दौरान प्रियंका ने पपाराजी को बताया कि वह अभी दो दिन इंडिया में ही हैं। प्रियंका इंडिया किस काम से आई हैं, यह तो फिलहाल पता नहीं चल पाया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि वह शायद अपने किसी नए प्रोजेक्ट के सिलसिले में यहां आई हैं। या हो सकता है कि वह सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन की सीरीज शसिटाडेलरू हनी बनीश को सपोर्ट करने आई हों।

चाहत फतेह अली खान ने किया तौबा तौबा गाने का बेड़ागर्क

बदो बदी के बाद चाहत फतेह अली खान एक फरि नया गाना लेकर सबके बीच हाजिर हुए हैं। उन्होंने बैड न्यूज के सुपरहिट गाने तौबा तौबा को रीक्रिएट किया है, जिसको सुनने के बाद करण जौहर ने इस गाने को शेयर किया है और सिंगर करण औजला ने तो हाथ ही जोड़ लिए हैं और उनसे विनती की है। पाकिस्तानी सिंगर चाहत फतेह अली खान ने लिरिक्स भी बदल दिए हैं। बैकग्राउंड में ताजमहल की तस्वीर आ रही है। अलग म्यूजिक है। हाथ में गिटार लिए हुए वह अच्छे खासे गाने की बैंड बजा रहे हैं। इस वीडियो पर तौबा तौबा गाने के सिंगर करण औजला ने हाथ जोड़ते और रोते हुए इमोजी के साथ लिखा, अंकल न करो प्लीज। एक यूजर ने कहा, तौबा तौबा सारा मूड खराब कर दिया। एक ने लिखा, इतना गंदा तौबा–तौबा वर्जन। वहीं, करण जौबर ने इस गाने को इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर कर लिखा, जरूर देखें। साथ ही रेड हार्ट इमोजी लगाया। चाहत फतेह अली खान का असली नाम काशिफ राणा है। इनका जन्म मार्च 1965 में शेखूपुरा में हुआ था। उन्होंने गवर्नमेंट हाई स्कूल शेखूपुरा से स्कूलिंग की थी। उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज यूनिवर्सिटी लाहौर से ग्रेजुएशन किया और फिर लंदन जाने से पहले लाहौर में पंजाब यूनिवर्सिटी से इतिहास की पढ़ाई की। और अपने गानों के कारण वह सुर्खियां बटोरते रहते हैं।

दिव्या खोसला ने करण जौहर को बुरी तरह लताड़ा

दिव्या खोसला ने शजिगराश के मेकर्स खुलेआम बिगुल फूंक दिया है। करण जौहर, आलिया भट्ट और दिव्या खोसला के बीच तगड़ा विवाद हो गया है। बवाल तब शुरू हुआ, जब कुछ दिन पहले दिव्या ने आलिया पर शजिगराश के फर्जी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बताने और फिल्म की स्क्रिप्ट चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद करण ने बिना नाम लिए एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया और उसमें श्बेवकूफश शब्द का इस्तेमाल किया। दिव्या को लगा कि करण जौहर ने उन्हें बेवकूफ बोला है। बस इसी बात पर लड़ाई और बढ़ गई है।

आलिया ने फिल्म का फर्जी कलेक्शन बताया

अब दिव्या खोसला ने ˙ करण जौहर पर गुस्सा निकाला है और साथ ही आलिया भट्ट पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा, आज, जब मैं बोल रही हूं, तो मिस्टर करण जौहर मुझे चुप कराने के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

मेरे साथ ऐसा है, तो नए लोगों का क्या होगा?

दिव्या ने आगे कहा, क्या अनएथिकल प्रैक्टिस के खिलाफ आवाज उठाने वाली किसी महिला को बेवकूफ कहना सही है? अगर मेरे साथ ऐसा होता है, तो इंडस्ट्री में नए लोगों का क्या होगा?

यहां कोई राजा नहीं और मैं प्रजा नहीं

दिव्या खोसला ने आगे कहा, यहां कोई भी राजा नहीं है और मेरे साथ प्रजा जैसा व्यवहार नहीं किया जाएगा। और भी कई अपमानजनक शब्द हैं, जिनका इस्तेमाल उनके पीआर लेखों में किया गया और मेरे स्टैंड लेने को पीआर स्टंट कहा गया। सॉरी, पर मुझे इसकी जरूरत नहीं। मुझे लोग पहले से ही पहचानते हैं।श

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

करण जौहर ने इशारों इशारों में कहा था बेवकूफ

मालूम हो कि दिव्या खोसला के आलिया पर निशाना साधे जाने के बाद करण जौहर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था। इसमें लिखा था, बेवकूफों को चुप रहकर ही जवाब देना सही होता है। इसी पर दिव्या खोसला का पारा हाई हो गया है।

अल्लू अर्जुन से मिलने साइकिल चलाकर हैदराबाद पहुंचा फैन

अल्लू अर्जुन से मिलने एक फैन यूपी के अलीगढ़ से साइकिल चलाते हुए हैदराबाद जा पहुंचा। अल्लू अर्जुन को यह पता चला तो वह हैरान थे। वह फैन के हाथ थामे उसकी बातें सुनते रहे। फिर उसका वापसी का फ्लाइट या ट्रेन का टिकट बुक करवाने को कहा और गिफ्ट दिया।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें अल्लू अर्जुन यूपी से साइकिल पर आए अपने इस फैन से मिलते नजर आ रहे हैं। वह फैन से उसका हाल पूछते हैं। फैन जब पैर छूने झुकता है तो अल्लू अर्जुन उसे झुककर उठाते हैं और फिर पूछते हैं कि कैसे आए तो वह बताता है कि साइकिल से आया। यह सुनकर अल्लू अर्जुन हैरान रह जाते हैं।

अल्लू अर्जुन ने बुक करवाया टिकट

अल्लू अर्जुन को फैन ने बताया कि वह यूपी के अलीगढ़ से साइकिल चलाते हुए उनसे मिलने आया है। अल्लू फैन के हाथ थामे हैरानी से उसे देखते रहते हैं। वह अपने इमोशनल हुए फैन की बातों को ध्यान से सुनते हैं और फिर अपनी टीम से कहते हैं कि इसके जाने के लिए ट्रेन का फ्लाइट का टिकट बुक करवाओ। इसकी हेल्प करो। अल्लू अर्जुन ने फिर फैन से गुजारिश की कि वह वापस साइकिल से अलीगढ़ न जाए।

अल्लू अर्जुन ने फैन को गिफ्ट किया पौधा

इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने फैन को एक पौधा भी गिफ्ट किया। अल्लू अर्जुन के इस अंदाज ने फैंस को अपना मुरीद बना लिया है। वो एक्टर की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। मालूम हो कि श्पुष्पारू द राइजश की ब्लॉकबस्टर सफलता ने अल्ल अर्जुन को उत्तर भारत में भी फेमस कर दिया है। अब पैन इंडिया उनके लाखों फैंस हैं।

पुष्पा २ का इंतजार, ६ दिसंबर को होगी रिलीज

अब फैंस को अल्लू अर्जुन की श्पुष्पा 2श का बेसब्री से इंतजार है। सुकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 6 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में रश्मिका मंदाना हैं और फहाद फासिल नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। दोनों पिछली फिल्म का भी हिस्सा थे।

रुक-रुककर हड्डियों में दर्द होना है एवैस्कुलर नेक्रोसिस का संकेत

एवैस्कुलर नेक्रोसिस में व्यक्ति को हड्डियों में दर्द होने के साथ जोड़ों में अकड़न और चलने-फिरने में भी कठिनाई होती है। एवैस्कुलर नेक्रोसिस हड्डियों से जुड़ी बीमारी है। इसमें नए बोन टिशु का निर्माण होना बंद हो जाता है और हड्डियों तक खून की सप्लाई सही तरीके से नहीं हो पाती है या रुक जाती है। इसे ऑस्टियोनेक्रोसिस भी कहा जाता है।

एवैस्कुलर नेक्रोसिस का कारण

यह स्थिति तब होती है जब हड्डियों तक ठीक से ब्लड फ्लो नहीं हो पाता है या फिर कम हो जाता है। जोड़ या हड्डी में चोटरू कोई चोट जैसे कि डिसलोकेटेड जॉइंट, आसपास के ब्लड वेसल्स को डैमेज कर सकती है। कैंसर के इलाज के दौरान रेडिएशन की वजह से भी हड्डियां कमजोर होती है और या ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचता है। फैट छोटे ब्लड वेसल्स को ब्लॉक कर सकता है जिसके कारण हड्डियों में ब्लड फ्लो की कमी हो सकती है। अन्य बीमारियों के कारण भी हड्डियों में ब्लड फ्लो की कमी होती है।

क्या है एवैस्कुलर नेक्रोसिस?

मेयोक्लीनिक के अनुसार एवैस्कुलर नेक्रोसिस की समस्या तब होती है जब कोई चीज बोन टिशु में ब्लड फ्लो को रोकती है। हड्डियां लगातार बदलती हैं क्योंकि स्क्लेटल सिस्टम पुरानी हड्डी के टिशु को बदलने के लिए नई हड्डी के उत्तकों का निर्माण करता है। यह प्रक्रिया सही तरीके से होनी चाहिए जिससे हड्डियां मजबूत और हेल्दी बनी रहे। सही ब्लड फ्लो के बिना स्क्लेटल सिस्टम नए टिशु तेजी से नहीं बना सकता है। ऐसे में हमारी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं।

एवैस्कुलर नेक्रोसिस के लक्षण

एवैस्कुलर नेक्रोसिस किसी भी जोड़ में हड्डी के ऊतकों को प्रभावित कर सकता है, लेकिन आमतौर पर यह कूल्हे को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। एवैस्कुलर नेक्रोसिस की शुरुआती चरण में कुछ लोगों को इसके लक्षणों का पता नहीं चल पाता है लेकिन जैसे-जैसे स्थिति बिगड़ती है प्रभावित जोड़ों पर वजन डालने पर दर्द महसूस होता है। इसके अलावा लेटने में भी परेशानी होती है। इसका दर्द हल्के से गंभीर हो सकता है। कुछ लोगों में एवैस्कुलर नेक्रोसिस दोनों तरफ ही विकसित होता है जैसे दोनों हिप और दोनों घुटने।

एवैस्कुलर नेक्रोसिस का इलाज

एवैस्कुलर नेक्रोसिस का इलाज कई तरीकों से किया जा सकता है। इसमें डॉक्टर आपको सर्जरी की सलाह दे सकते हैं, लेकिन यह मरीज की उम्र और दर्द पर निर्भर करता है। इसके अलावा अगर मरीज को पहले से ही कोई बीमारी है तो इस बात को ध्यान में रखकर ही डॉक्टर उसका इलाज तय करते हैं। सही समय पर इसका उपचार न कराने पर 2 से 3 सालों में सबकोन्ड्रल फ्रैक्चर हो जाता है। बिना ऑपरेशन के किए जाने वाले इलाज में मेडिकेशन थेरेपी, फिजिकल थेरेपी, वजन कम करना, शराब से परहेज करना आदि शामिल है।

हर 10 में से 2 महिलाओं में होने वाली समस्या है बार्थोलिन ग्रंथि की सिस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बार्थोलिन ग्रंथि की सिस्ट महिलाओं में होने वाली एक आम समस्या है, जो वेजाइन के पास स्थित बार्थोलिन ग्रंथियों में होती है। ये ग्रंथियां लुब्रिकेंट बनाती हैं, जो संभोग के दौरान योनि को चिकना बनाने में सहायता करता है। कभी-कभी इन ग्रंथियों के के रास्ते में रुकावट आ जाती है, जिससे तरल पदार्थ अंदर इकट्ठा होकर एक सिस्ट का निर्माण करता है। अधिकतर बार्थोलिन ग्लैंड की सिस्ट छोटी होती हैं और यह दर्द रहित होती है और इसके कारण कोई असुविधा नहीं होती, लेकिन यदि सिस्ट का आकार बढ़ या पक जाने के बाद उसमें संक्रमण हो सकता है, जो तेज दर्द और सूजन का कारण बन सकता है।

जानें इसके कारण, लक्षण और उपचार

डॉ अरुणा कालरा, निदेशक, प्रसूति एवं स्त्री रोग, सीके बिड़ला अस्पताल, गुरुग्राम, बार्थोलिन ग्रंथि की सिस्ट किसी भी उम्र की महिलाओं में हो सकती है, लेकिन यह आमतौर पर प्रजनन आयु की महिलाओं में अधिक देखी जाती है। आज हम बार्थोलिन ग्रंथि की सिस्ट के कारणों, लक्षणों, निदान, उपचार और रोकथाम के उपायों पर के बारे में जानेंगे।

बार्थोलिन ग्लैंड सिस्ट के कारण

बार्थोलिन ग्लैंड सिस्ट तब जन्म लेती है, जब बार्थोलिन ग्रंथि का रास्ता ब्लॉक हो जाता है। यह रुकावट ग्रंथि के द्वारा बनाए गए तरल पदार्थ (लुब्रिकेंट) के निकलने के रास्ते को रोक देता है, जिससे सिस्ट बन जाती है। कई बार संक्रमण या सूजन भी इस अवरोध का कारण बन सकती है। इसके अलावा, यौन संचारित रोग जैसे गोनोरिया और क्लैमाइडिया भी बार्थोलिन ग्रंथि के मार्ग में रुकावट बन सकते हैं और सिस्ट का कारण बन सकते हैं।

लक्षण और संकेत

छोटी बार्थोलिन ग्रंथि की सिस्ट में कुछ खास लक्षण नहीं होते। यहां तक कि इस दौरान कोई परेशानी भी नहीं होती है हालांकि, अगर सिस्ट बढ़ जाए और पक जाए तो उसमें संक्रमण होने पर तो यह दर्द, सूजन, और चलने या बैठने में परेशानी की वजह बन सकती है। संक्रमण होने पर सिस्ट एक फोड़ा का रूप भी ले सकती है, जो दर्दनाक हो सकता है। कई लोगों के बुखार भी आ सकता है।

निदान

इसका निदान आमतौर पर बॉडी चेकअप के माध्यम से किया जाता है। डॉक्टर योनि के आस-पास की सूजन और सिस्ट के शेप की जांच करते हैं। यदि सिस्ट में संक्रमण के लक्षण नजर आते हैं तो वह अफेक्टेड एरिया से लिक्विड का सैंपल लेकर लैब टेस्ट के लिए भेज सकते हैं, ताकि इस बात का पता चल सके कि संक्रमण किस तरह का है।

उपचार

बार्थोलिन ग्रंथि की छोटी सिस्ट का इलाज उतना जरूरी नहीं होता, क्योंकि यह अधिकतर महिलाओं में समय के साथ अपने आप ठीक हो सकती है। लेकिन सिस्ट बढ़ने या संक्रमण होने पर उपचार की जरूरत होती है। उपचार के दौरान गर्म पानी में बैठना सूजन को कम कर सकता है और एंटीबायोटिक्स इस इंफेक्शन को कंट्रोल कर सकते हैं। गंभीर मामलों में सर्जरी की सकती है।

रोकथाम के उपाय

इस समस्या से बचाव के लिए पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखना जरूरी होता है। वेजाइना एरिया को साफ और सूखा रखना, साफ अंडरगारमेंट पहनना और यौन संचारित रोगों से बचने के लिए सुरक्षित यौन संबंधों का पालन करना फायदेमंद हो सकता है। वहीं समय-समय पर शारीरिक जांच और किसी भी असामान्य लक्षण की जानकारी डॉक्टर को देना जरूरी होता है।

मुंह से आती है दुर्गंध? हो सकते हैं हैलिटोसिस बीमारी के लक्षण

सांस की दुर्गंध या बदबूदार सांस, जिसे मेडिकल भाषा में हैलिटोसिस कहा जाता है। यह एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या आमतौर पर मुंह की साफ-सफाई न रखने, खान-पान की गलत आदतें या कुछ मेडिकल कंडीशन के कारण होती है। हालांकि यह कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन इसकी वजह से व्यक्ति को शर्मिंदगी महसूस हो सकती है और आत्मविश्वास की कमी का सामना करना पड़ सकता है। बुरी सांस की समस्या से निजात पाने के लिए, इसके मूल कारण को पहचानना और सही उपचार करना जरूरी है। सांस की दुर्गंध के कई कारण हो सकते हैं। इनमें सबसे आम कारण मुंह की स्वच्छता का ख्याल न रखना, जिससे बैक्टीरिया की बढ़ने लगते हैं। दांतों के बीच फंसे भोजन के कण बैक्टीरिया पनपने में मदद करते हैं, जिससे दुर्गंध पैदा होती है। इसके अलावा, मुंह का सूखापन, धूम्रपान, शराब का सेवन या कुछ दवाओं का सेवन भी सांस की दुर्गंध का कारण बन सकते हैं। पेट की समस्याएं जैसे गैस्ट्रिक रिफ्लक्स और पाचन संबंधी समस्याएं भी इसमें योगदान करती हैं। कई मेडिकल कंडीशन भी सांस की दुर्गंध का कारण बन सकती हैं, जैसे डायबिटीज, किडनी की समस्याएं या लिवर की बीमारियां। इन स्थितियों के कारण शरीर से टॉक्सिन बाहर निकलने में कठिनाई होती है, जिससे दुर्गंध पैदा हो सकती है।

आयुर्वेद डॉ. का दावा- 21 दिन में कंट्रोल होने लगेंगे कोलेस्ट्रॉल-ब्लड प्रेशर

आयुर्वेद डॉक्टर दीक्षा भावसार ने कोलेस्ट्रॉल और हाइपरटेंशन को कंट्रोल करने के लिए एक देसी आयुर्वेदिक रेसिपी शेयर की है। डॉक्टर ने बताया है कि उनकी इस रेसिपी से उनके पास आने वाले 500 से अधिक हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल रोगियों (20 से 80 उम्र के लोग) को बेहतर रिजल्ट मिला है। डॉक्टर ने बताया कि कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए आपको सिर्फ दो चीजें चाहिए खजूर और लहसुन। खजूर हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए अच्छे होते हैं क्योंकि इनमें पोटेशियम ज्यादा और सोडियम कम होता है। पोटेशियम शरीर से सोडियम को हटाकर ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। कम सोडियम होने की वजह से यह हाई बीपी के जोखिम को कम करता है। खजूर में मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल के साथ जुड़ जाता है और इसे ब्लड में अवशोषित होने से रोकता है। इससे दिल के रोगों का जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। खजूर में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने में मदद करते हैं, जो रक्त में पाया जाने वाला एक फैट है, जो हार्ट डिजीज रोग के जोखिम को बढ़ा सकता है।

आंखों के आसपास काले धब्बे को न करें नजरअंदाज, बर्फ से मिल सकता है आराम

ब्लैक आई यानी काली आंख तब होती है जब आंख के आस पास की त्वचा के नीचे नीला गहरा घाव हो जाता है। यह आंख के पास चोट लगने के कारण होता है। चूंकि आंखों के आसपास की स्किन काफी पतली होती है, इसलिए वहां खून जमने से निशान बन जाता है। ज्यादातर यह अपने आप ही ठीक हो जाता है लेकिन कुछ मामलों में डॉक्टर से सलाह लेने की जरूरत भी पड़ती है। ब्लैक आई को शाइनर भी कहा जाता है। मेडिकल भाषा में इसे पेरीऑर्बिटल हेमटोमा कहते हैं। अधिकांश मामलों में चोट आंख की जगह चेहरे को प्रभावित करती है। आमतौर पर ब्लैक आई आंख में चोट लगने से होती है। चोट के कारण सूजन हो सकती है और खून भी जम सकता है। इससे आंख खोलने में परेशानी होती है और अस्थाई रूप से नजर धुंधली हो सकती है। ब्लैक आई होने पर व्यक्ति को आंख के आसपास दर्द के अलावा सिर दर्द भी महसूस हो सकता है। यदि सिर पर चोट लगने के बाद दोनों आंखें काली हो जाए तो यह किसी गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। आमतौर पर ब्लैक आई की समस्या दो से तीन हफ्तों में ठीक हो जाती है और इसमें किसी भी तरह के इलाज की जरूरत नहीं पड़ती है। कुछ मामलों में काली आंख की संभावना को कम किया जा सकता है। गार्डनिंग, लकड़ी से जुड़ा काम या मेटल से जुड़ा काम करते समय हमेशा गॉगल्स पहनें।

सीरीज में पीछे पाकिस्तान

ध्यान दिला दें कि पाकिस्तान की टीम मौजूदा टेस्ट सीरीज में 0–1 से पिछड़ रही है। इंग्लैंड ने मुल्तान में खेले गए पहले टेस्ट को एक पारी और 47 रन से जीता था। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में अब तक दमदार प्रदर्शन किया और वह सीरीज बराबर करने के प्रयास में जुटा हुआ है।

बेन डकेट ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शतक ठोका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन शतक ठोककर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। डकेट ने 129 गेंदों में 16 चौके की मदद से 114 रन बनाए और टिम साउथी, एडम गिलक्रिस्ट व वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ा। दरअसल, बेन डकेट ने अपनी पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 2000 रन पूरे किए। डकेट ने सबसे कम गेंदों में 2000 रन पूरे करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने न्यूजीलैंड के अनुभवी ऑलराउंडर टिम साउथी को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट इस समय लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। वीरेंद्र सहवाग और ऋषभ पंत क्रमशः चौथे व पांचवें स्थान पर काबिज हैं। बता दें कि इंग्लैंड के ओपनर्स के पवेलियन लौटने के बाद पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की। साजिद खान और नौमान अली की स्पिन जोड़ी ने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 239/6 का स्कोर बनाया था। फिर तीसरे दिन सुबह के सत्र में इंग्लैंड की पहली पारी 291 रन पर ऑलआउट हुई।

न्यूज डायरी

विराट कोहली ने डक पर आउट होकर बना दिया यह शर्मनाक रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। 16 अक्टूबर से चल रहे इस टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह से धुल गया। हालांकि दूसरे दिन टॉस हुआ, जो मेजबानों के पक्ष में रहा। ऐसे में भारत पहले बल्लेबाजी करने के लिए आई। यह फैसला उनका सही साबित नहीं हुआ। दूसरे दिन लंच तक टीम इंडिया सिर्फ 34 रन बना पाई और उन्होंने अपने 6 विकेट गंवा दिए। रोहित शर्मा, विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा... भारत का टॉप ऑर्डर पूरी तरह से फ्लॉप हो गया। भारतीय टीम के रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली डक पर आउट हो गए। इसी के साथ उन्होंने एक अनचाहा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। आपको बता दें कि विराट कोहली संयुक्त रूप से इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा डक पर आउट होने वाले एक्टिव प्लेयर बन गए हैं। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में 38वीं बार डक पर आउट हुए। उन्होंने इस शर्मनाक रिकॉर्ड में कीवी टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी की बराबरी की। साउदी भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 38 बार डक पर आउट हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस टेस्ट मैच से पहले विराट कोहली ने इस साल भारत के लिए सिर्फ 3 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनके बल्ले से 157 रन देखने को मिले। कोहली 2024 में टेस्ट में शतक तो दूर की बात है।

ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में नहीं होंगे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी नहीं करेंगे। एक सूत्र ने बताया, हां, दिल्ली कैपिटल्स एक नए कप्तान की तलाश कर सकती है। भारत के ऑलराउंडर अक्षर पटेल नए कप्तान के रूप में इस पद को संभाल सकते हैं। या फ्रेंचाइजी किसी ऐसे व्यक्ति को आईपीएल नीलामी (संभवतः नवंबर के बीच में विदेश में हो सकती है) में टारगेट कर सकती है जो में कैप्टन मटेरियल हो। हालांकि, पंत फ्रेंचाइजी के शीर्ष रिटेंशन होंगे। ऋषभ पंत को कप्तानी के रोल से इसलिए हटाया जा रहा है क्योंकि फ्रेंचाइजी के लीडरशिप ग्रुप को लगता है कि वह बिना कप्तानी के बिना दबाव के खेल सकते हैं। डीसी आखिरी बार आईपीएल 2021 में प्लेऑफ में पहुंची थी। दिल्ली पिछले 3 साल से प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई है। वहीं दिल्ली ने 17 साल में सिर्फ 1 बार आईपीएल फाइनल 2020 में खेला है, उसमें उन्हें मुंबई इंडियंस ने हरा दिया था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में कैपिटल्स ने अपना एकमात्र आईपीएल फाइनल खेला था। कार एक्सीडेंट के बाद वापसी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स को फिर से लीड किया।

भारत ने प्लेइंग–11 में सरफराज खान को दिया मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट का आगाज 16 अक्टूबर से होना था, लेकिन बेंगलुरु में बारिश की वजह से पहले दिन का खेल रद्द किया गया। आज यानी 17 अक्टूबर को दूसरे दिन टॉस हुआ। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। इस दौरान रोहित शर्मा ने प्लेइंग–11 का एलान करते हुए बताया कि वह दो बदलाव के साथ मैदान पर उतर रहे हैं। रोहित ने बताया कि शुभमन गिल पहले टेस्ट नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह सरफराज खान को प्लेइंग–11 में मौका मिला है। ऐसे में जानते हैं क्यों गिल पहला टेस्ट मिस कर बैठे? दरअसल, भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे पहल टेस्ट की प्लेइंग–11 में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने दो बदलाव किए। शुभमन गिल को प्लेइंग–11 से बाहर करने को लेकर रोहित ने बताया कि वह पूरी तरह से फिट नहीं हैं। गिल की इंजरी समस्या है। उनके गर्दन में दर्द की शिकायत है। इस वजह से सरफराज खान को उनकी जगह मौका मिला है। इसके अलावा रोहित ने बताया कि आकाशदीप की जगह कुलदीप यादव को प्लेइंग–11 में शामिल किया गया।

टॉस जीतकर ओवरकास्ट कंडिशन में क्यों चुनी बैटिंग

क्रिकेट

पहली पारी में सिर्फ 46 रन पर सिमटी भारतीय टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेंगलुरु। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के सामने घुटने टेक दिए। भारतीय सरजमीं पर टीम इंडिया अपने सबसे छोटे टेस्ट स्कोर 46 रन पर ऑलआउट हो गई। वर्षाप्रभावित टेस्ट का पहला दिन बारिश में पूरी तरह धुलने के बाद दूसरे दिन जब टॉस हुआ तो भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए हर किसी को चौंका दिया और यही से भारतीय टीम के ब्लैक डे की स्क्रिप्ट तय हो गई थी।

आसमान पर घिरे बादल, नमी भरी पिच ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को बेंगलुरु में उनकी घरेलू परिस्थिति मिल गई। गेंद सीम और स्विंग दोनों कर रही थी। ऐसे में मेट हेनरी ने पहली गेंद से दबाव बनाना शुरू किया। लगातार फुल गेंद फेंककर भारतीय बल्लेबाजों को शॉट्स मारने के लिए आमंत्रित किया। ऐसी परिस्थिति में अगर भारत पहले गेंदबाजी करता तो शायद जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज को भी ऐसी ही सफलता मिलती।

पांच बल्लेबाज 0 पर आउटभारत के पांच बल्लेबाज तो अपना खाता भी नहीं खोल पाए। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए। उन्हें और यशस्वी जायसवाल (13) को छोड़कर कोई और बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी हेनरी ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए। नए गेंदबाज विलियम ओ राउरकी ने चार विकेट लिए तो टीम साउदी को एक सफलता मिली।

भारत के पांच सबसे छोटे टेस्ट टोटल

- 36 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, एडिलेड, 2020
- 42 रन बनाम इंग्लैंड, लॉर्ड्स, 1974
- 58 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया, ब्रिसबेन, 1947
- 58 रन बनाम इंग्लैंड, मैनचेस्टर, 1952
- 66 रन बनाम साउथ अफ्रीका, डरबन, 1996

माइकल वॉन ने लिए भारतीय टीम और उनके फैंस के मजे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच बेंगलुरु में खेला जा रहा है। वर्षा से प्रभावित इस मैच के दूसरे दिन भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ओवरकास्ट कंडीशन में हिटमैन का यह फैसला काफी ज्यादा गलत साबित हुआ। भारतीय टीम पहली पारी में महज 46 रन के स्कोर पर सिमट गई। यह टेस्ट में टीम इंडिया का तीसरा सबसे छोटा स्कोर था। लंच तक भारत ने 34 रन के स्कोर पर अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। वहीं लंच के बाद मेजबानों ने अपने अगले 4 विकेट 12 रन के अंदर गंवा दिए। टीम इंडिया की बल्लेबाजी काफी निराशाजनक रही। वहीं भारत के इस शर्मनाक प्रदर्शन पर इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी माइकल वॉन ने भारतीय फैंस के मजे लिए हैं। दरअसल, वॉन ने ट्वीट करते हुअ लिखा, तुम इसकी ब्राइट साइड पर देखो भारतीय फैंस... कम से कम आप 36 रन के स्कोर को तो पार कर पाए।

बॉलिंग कोच डेल स्टेन ने छोड़ा सनराइजर्स हैदराबाद का साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने गुरुवार को ये एलान किया कि वह आईपीएल 2025 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद का साथ छोड़ रहे हैं। स्टेन सनराइजर्स हैदराबाद के बॉलिंग कोच थे और इससे पहले 2022 से वह फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़े हुए।

41 साल के डेन स्टेन ने आईपीएल 2024 के लिए निजी कारणों के चलते खुद अनुल्बध कराया था। अब वह आईपीएल 2025 में वापसी करने के लिए भी तैयार नहीं। दरअसल, आईपीएल 2025 से पहले डेन स्टेन ने ऐलान किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच के रूप में वापसी नहीं करेंगे।

डेल स्टेन ने सनराइजर्स हैदराबाद को कहा थैंक्यू

स्टेन ने इस दौरान ये भी कहा कि वह साउथ अफ्रीका में खेली जाने वाली टी 20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ कोचिंग जारी रखेंगे। यह टीम भी सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा ही है। टेन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि आईपीएल में गेंदबाजी कोच के रूप में मेरे साथ कुछ सालों के लिए सनराइजर्स हैदराबाद को बहुत–बहुत धन्यवाद। दुर्भाग्य से मैं आईपीएल 2025 के लिए वापस नहीं आऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं दक्षिण अफ्रीका में टी20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ काम करना जारी रखूंगा। इस साल की शुरुआत में स्टेन ने निजी कारणों से आईपीएल 2024 के लिए खुद को अनुपलब्ध कर लिया था और सनराइजर्स ने मुख्य कोच डेनियल विटोरी के साथ काम करने के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स फ्रैंकलिन को अपना गेंदबाजी कोच बनाया था।

इसके साथ ही स्टेन ने अपने करियर के दौरान आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स, आरसीबी, सनराइजर्स, गुजरात लायंस का प्रतिनिधित्व किया था। डेल ने आखिरी बार कुछ साल बाद सनराइजर्स गेंदबाजी कोच नामित होने से पहले 2020 में आरसीबी का प्रतिनिधित्व किया था। एसआरएच में अपने कार्यकाल के दौरान, स्टेन ने कई भारतीय तेज गेंदबाजों का मार्गदर्शन किया, उनमें से एक उमरान मलिक हैं।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024

महर्षि वाल्मीकि और संत मीराबाई की जयंती पर नमन करते हुए स्वामी चिदानन्द सरस्वती।

दून के पर्यावरण को बचाने की हर कोशिश स्वागत योग्य होगी: डीएम

चर्चा

■ समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं ने जिलाधिकारी से विभिन्न मुद्दो पर संवाद चर्चा की

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल से जिलाधिकारी शिविर कार्यालय में समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दो पर संवाद चर्चा की। पर्यावरण संरक्षण में जुटे मैड के युवाओं ने बुके भेंट कर जिलाधिकारी का अभिनन्दन किया।

जिलाधिकारी ने सभी समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचने में सामाजिक संस्थाओं का सहयोग स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण,जल संरक्षण एंव सवर्धन सहित ऐतिहासिक, हेरिटेज स्थलों का संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सामाजिक संस्थाओं तथा स्थानीय जनमानस का सहयोग सदैव ही अपेक्षित है, जिससे पर्यावरण, स्वच्छता एंव संवर्धन अभियान को

मजबूती मिलने के साथ ही चीजे धरातल पर दिखेगी।

इस चर्चा के दौरान दून को हरा भरा साफ–सुथरा रखने में जन सहयोग, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए नागरिकों के सकारात्मक सुझावों को शामिल करके अपेक्षित परिणाम धरातल पर दिखाई दे सकेंगे। दून के पर्यावरण को बचाने की हर कोशिश स्वागत योग्य होगी। कुछ ऐसे ही विचार जिलाधिकारी की मौजूदगी में हुए पारस्परिक संवाद में सामने आए। जिसमें दून की 21 से अधिक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समाजसेवियों ने जिलाधिकारी द्वारा जनहित में उठाए गए कदमों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आशा प्रगट की की सभी विभागों के साथ समन्वय बनाने में नागरिकों का भी सहयोग शामिल किया जाएगा।

संवाद में वेस्ट मैनेजमेंट की समस्याओं,सड़कों पर जाम,अतिक्रमण, पार्किंग की दिक्कतो,फ्लाईओवर के नीचे असामाजिक सामाजिक तत्वों का जमावड़ा,नशाखोरी पर लगाम,ध्वनि वायु जल प्रदूषण से नागरिकों की परेशानियां, रिस्पना बिंदाल की सफाई,किन्नर समाज द्वारा आम नागरिकों के उत्पीड़न को रोकने आदि जनसमस्याओं से जिलाधिकारी को रूबरू कराया गया। शहर की सड़कों पर वाहनों के दवाब का एकमात्र समाधान नोएडा दिल्ली की भांति शहर में चारों ओर सड़कों के ऊपर एलिवेटेड रोड का निर्माण सुझाया गया। संवाद के अंत में नागरिकों ने जिलाधिकारी को जनहित में उठाए गए कदमों में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

संवाद में मैती आंदोलन के पद्मश्री कल्याण सिंह रावत,लेफ्टिनेंट कर्नल बीएम थापा,ब्रिगेडियर केजी बहल,गिरीश चंद्र भट्ट,चंदन सिंह नेगी, प्रकाश नागिया,अवधेश शर्मा,शक्ति प्रसाद डिमरी,जगदीश चंद्र आर्य, चौधरी ओमवीर सिंह, पीसी खंतवाल,सुशील सैनी, चंदन सिंह नेगी, प्रिंस कपूर, आरती बिष्ट,आर्यन कोहली,आशीष वर्मा, देवेंद्र पाल मोंटी, नवीन सडाना,सुनील बग्गा, ठाकुर शेर सिंह,कर्नल विक्रम सिंह थापा, जगमोहन मेहंदीरत्ता सहित जिला समाज कल्याण अधिकारी पूनम चमोली, संदीप सिंह नेगी आदि भी संवाद मैं शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सुशील त्यागी ने किया।

डीएम की नागरिक संयुक्त संगठन के प्रतिनिधियों ने की सराहाना

नागरिक संयुक्त संगठन के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी द्वारा जनपद में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सामाजिक संगठनों द्वारा हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा शहर की व्यवस्थाएं संवारने में किये जा रहे कार्यों की भूरी–भूरी सराहना करते हुए कार्यों को 21 तोपों की सलामी देने जैसा बताया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमत्री का आभार जताया

संवाददाता देहरादून। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के राष्ट्रीय एक्सपर्ट पैनल सदस्य एवं उत्तराखंड सिख कोआर्डिनेशन समिति के प्रदेश अध्यक्ष सरदार गुरदीप सिंह सहोता ने हलाल और झटका मीट के बारे में स्पष्ट जानकारी आदेश देने का आदेश जारी करने पर सरकार का आभार जताया। कहा कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पत्र पर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सभी मीट विक्रेता, मीट कारोबारकर्ता, होटल, रेस्टोरेन्ट में विक्रय और प्रस्तुत किए जा रहे मीट और मीट उत्पाद के प्रकार हलाल और झटका का अनिवार्य रूप से प्रकटीकरण करने के आदेश जारी किए हैं। कहा कि पंजाबी समाज इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करता है।

कर्मचारी संगठन की 19 अक्तूबर को बैठक

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संगठन की प्रदेश कार्य समिति की 19 अक्तूबर को बैठक होगी। महामंत्री श्याम सिंह नेगी ने बताया कि जल भवन नेहरू कालोनी में बैठक होगी। बैठक में पुरानी लंबित मांगों पर अभी तक हुई कार्रवाई की समीक्षा होगी। खाली पदों पर पदोन्नति, वेतन विसंगति दूर करने समेत अन्य सभी मांगों के निस्तारण को लेकर मैनेजमेंट स्तर से क्या कार्रवाई अभी तक हुई है, इसकी पड़ताल होगी। मैनेजमेंट पर कार्रवाई को लेकर दबाव बनाया जाएगा।

रिले रेस में एलआईसी की टीम ने मारी बाजी

संवाददाता देहरादून। अखिल भारतीय पब्लिक सेक्टर एथलेटिक्स मीट की रिले रेस स्पर्धा में एलआईसी ने प्रथम, कोल इंडिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर में गुरुवार को विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। 400 मीटर बाधा दौड़ में कोल इंडिया के हर्ष शर्मा प्रथम, खुर्शीद हुसैन द्वितीय स्थान पर रहे। एलआईसी के कालीदास हिरावे ने 5000 मीटर दौड़ में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि संदीप कुमार दूसरे स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ में ईएसआईसी के सुरेंद्र सिंह पहले, कोल इंडिया के राजकुमार दूसरे स्थान पर रहे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्योहारी मौसम की खुशियां मनाईं

संवाददाता देहरादून। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्योहारों के उत्साह को और बढ़ाते हुए अपने बेहद लोकप्रिय मॉडल अर्बन क्रूजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन की घोषणा की। स्टाइल और प्रीमियम खासियतों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजाइन किया गया यह स्पेशल एडिशन, ग्राहकों की खुशी और उत्साह बढ़ाने के लिए टोयोटा जेनुइन एक्सेसरीज (टीजीए) पैकेज के साथ आता है।

सरस मेला को दिव्य और भव्य रूप प्रदान करना हमारा उद्देश्य

बैठक

■मुख्य विकास अधिकारी ने दस दिवसीय सरस मेले की तैयारियों पर बैठक की

संवाददाता

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने गुरूवार को रेंजर्स ग्राउंड में आज से शुरू होने जा रहे दस दिवसीय सरस मेले की तैयारियों के संबंध में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्य विकास अधिकारी ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं को जांचा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां तय समय पर पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा

कि सरस मेला को दिव्य और भव्य रूप प्रदान करना हमारा उद्देश्य है। यह आयोजन 18 अक्टूबर से शुरू होकर 27 अक्टूबर तक चलेगा। उन्होंने मेला के आयोजन के दौरान पेयजल,शौचालय, पार्किंग,अग्निशमन,विधुत,स्वच्छता सहित अन्य समुचित व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के दिशा निर्देश दिए।उन्होंने पुलिस अधिकारियों को में प्रवेश एंव निकासी सहित सरस मेले की सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबन्द करने के निर्देश दिए।

कहा कि आयोजित दस दिवसीय सरस मेले में लोक सांस्कृतिक एवं विविध संस्कृति का आकर्षण रहेगा।साथ ही उत्तराखंडी खानपान व व्यंजन के स्टाल,उत्तराखंडी परिधान,विभिन्न राज्यो के स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल आदि के साथ ही प्रतिदिन संध्या को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की जाएंगी। आयोजन में उत्तराखंड के समस्त जनपदों से कुल 136 स्टॉल और अन्य राज्यो के कुल 50 स्टॉल लगाए जाएंगे।देश प्रदेश के कुल 186 स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 18 तारीख को पाइरेट्स ऑफ वाराणसी और टीम टोरनेडो द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

मेले को सफल बनाने हेतु प्रत्येक दिन गोष्ठी एवं कार्यशाला हेतु प्रभारी अधिकारी नामित किये गए हैं, जो अपने–अपने दिवस में आयोजित गोष्ठीध्कार्यशाला के प्रभारी होंगे।गठित समिति के सदस्य प्रतिदिन आपस में समन्वय बैठक करते हुए मेले के सफल आयोजन की तैयारी की कार्यवाही से अवगत कराएंगे।

हरियाणा में नायब सिंह सैनी के सीएम बनने पर जताई खुशी

संवाददाता देहरादून। सैनी विकास समिति देहरादून ने गुरुवार को जीएमएस रोड स्थित हरपुरम में कार्यक्रम आयोजित कर हरियाणा में नायब सिंह सैनी के मुख्यमंत्री बनने पर खुशी जताई। समिति से जुड़े लोगों ने मिठाइयां भी बांटी। कार्यक्रम में शामिल कैंट विधायक सविता कपूर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम अपने समाज को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। कहा कि हरियाणा में बनी भाजपा की सरकार भविष्य में अच्छे विकास के कार्य और अच्छी कानून व्यवस्था बनाएगी, यही भाजपा की नीति है। इस मौके पर अध्यक्ष तेजपाल सिंह सैनी, महासचिव चरण सिंह सैनी, उपाध्यक्ष डीपी सिंह सैनी, सतीश कुमार सैनी, प्रमोद कुमार सैनी, सोनू कुमार सैनी, संगठन सचिव रजनी सैनी, मुकेश कुमार सैनी, अंकित सैनी, संजीव सैनी, मदन सिंह सैनी, लेखानिरीक्षक रोहित सैनी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।